बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

दोबारा जीवन पाने वाली लड़की

लेखक : Edward Hughes
अनुवाद : Suresh Kumar Masih
व्याख्याकार : Janie Forest
रूपान्तरकार : Ruth Klassen

60 कहानियों में से 49 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

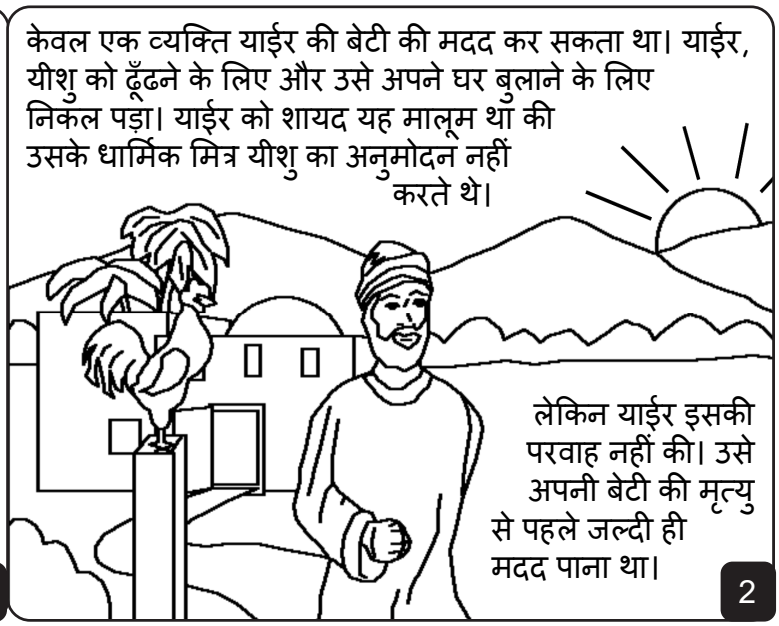

याईर, यीशु को लोगों से घिरा पाया।
वह 'यीशु के पांवों पर गिर गया। हताश होकर उसने विनती की "मेरी छोटी बेटी मौत के कगार पर है।" "कृपा करके चलिए, और मेरी बेटी के ऊपर हाँथ रखिये तब वह चंगी हो जाएगी और वह जियेगी।"
3

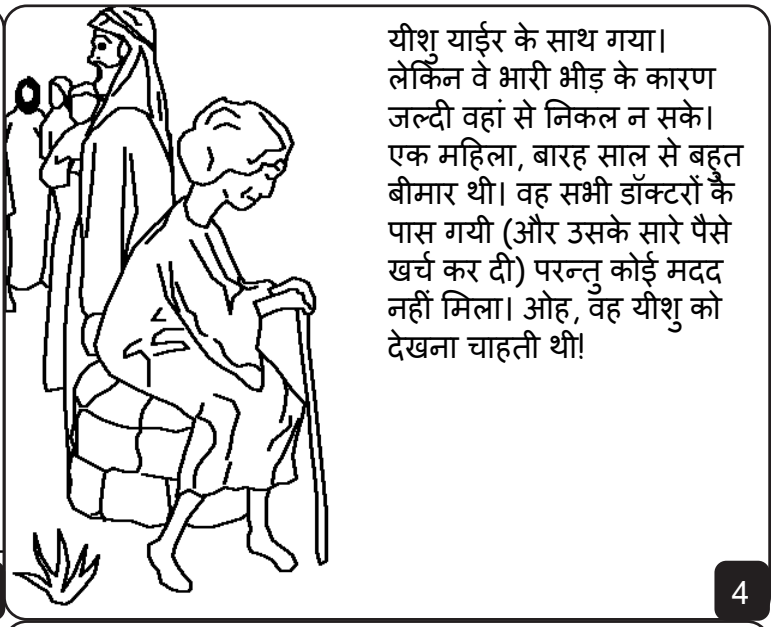
यीशु याईर के साथ गया। लेकिन वे भारी भीड़ के कारण जल्दी वहां से निकल न सके। एक महिला, बारह साल से बहुत बीमार थी। वह सभी डॉक्टरों के पास गयी (और उसके सारे पैसे खर्च कर दी) परन्तु कोई मदद नहीं मिला। ओह, वह यीशु को देखना चाहती थी!
4

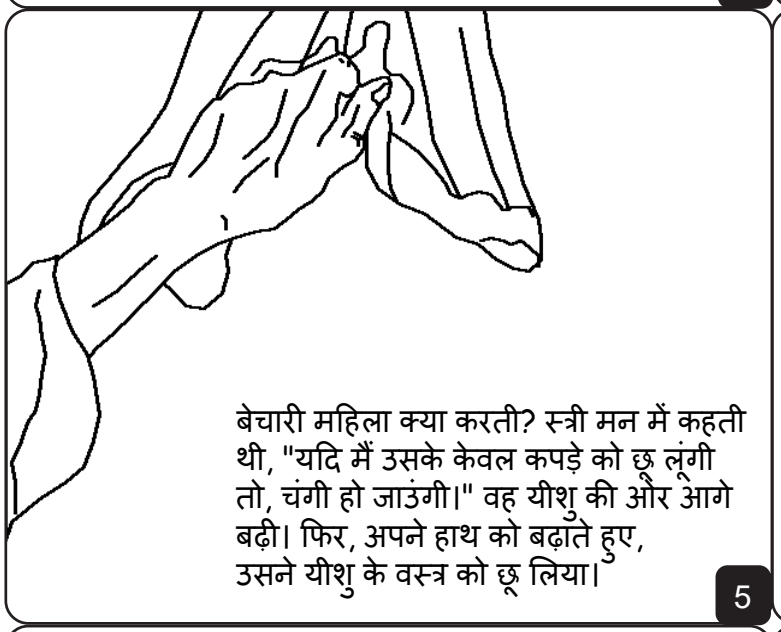
बेचारी महिला क्या करती? स्त्री मन में कहती थी, "यदि मैं उसके केवल कपड़े को छू लूंगी तो, चंगी हो जाउंगी।" वह यीशु की ओर आगे बढ़ी। फिर, अपने हाथ को बढ़ाते हुए, उसने यीशु के वस्त्र को छू लिया।
5

एक चमत्कार! एक चमत्कार! महिला चंगा हो गयी। वह पूरी तरह से! अभी तुरंत! उसने जान लिया की वह अच्छी और चंगी हो चुकी थी। लेकिन फिर एक आवाज आयी "किसने मुझे छुआ?" यीशु ने पूछा भीड़ ने उसे छुआ है। लेकिन जो औरत चंगी हो गयी थी वह जानती थी कि उसे इसके बारे में बताना चाहिए। डरते - डरते, उसने उसे अपनी पूरी कहानी सुनाई।
6

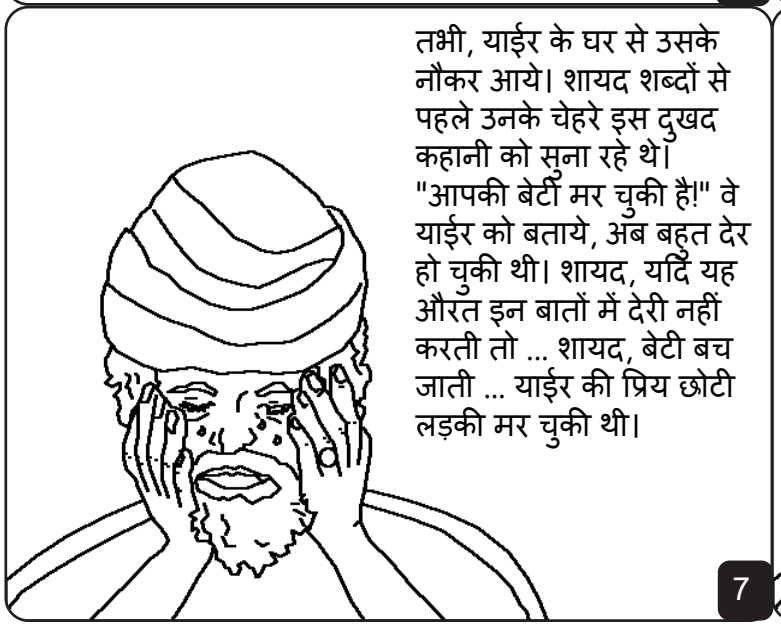
तभी, याईर के घर से उसके नौकर आये। शायद शब्दों से पहले उनके चेहरे इस दुखद कहानी को सुना रहे थे। "आपकी बेटी मर चुकी है!" वे याईर को बताये, अब बहुत देर हो चुकी थी। शायद, यदि यह औरत इन बातों में देरी नहीं करती तो ... शायद, बेटी बच जाती ... याईर की प्रिय छोटी लड़की मर चुकी थी।
7

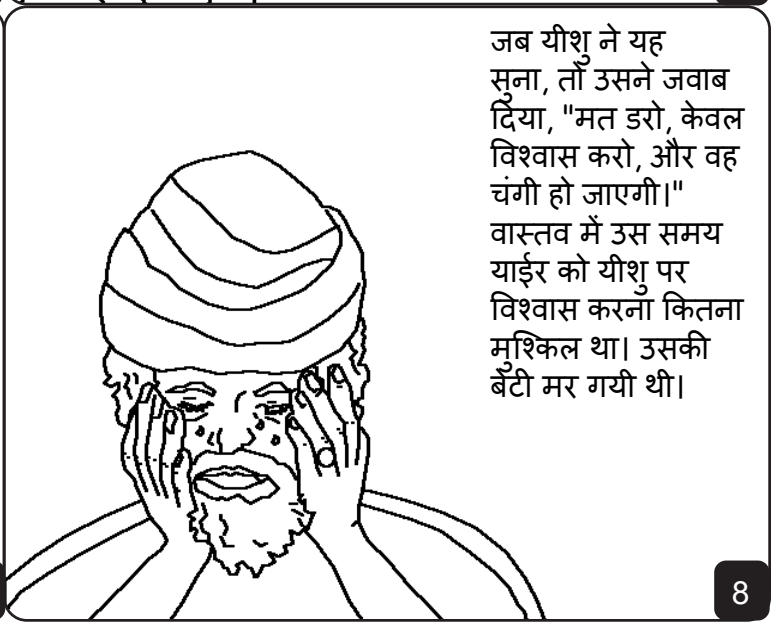
जब यीशु ने यह सुना, तो उसने जवाब दिया, "मत डरो, केवल विश्वास करो, और वह चंगी हो जाएगी।" वास्तव में उस समय याईर को यीशु पर विश्वास करना कितना मुश्किल था। उसकी बेटी मर गयी थी।
8

घर में, हर कोई रोया और लड़की के लिए विलाप किये। यीशु ने उन से कहा "वह मरी नहीं, लेकिन सो रही है।" वे उस पर हंस रहे थे। वे जानते थे कि अब वह लड़की मर चुकी थी।

9

यीशु ने उन सभी को बाहर भेज दिया, अपने हाथ से लड़की को उठाया और कहा, "छोटी बेटी उठो।" याईर वहाँ था। उसकी पत्नी भी वहीं थी। 'यीशु के तीन शिष्य भी वहीं थे। वे सब यीशु के शब्द सुन रहे थे। क्या छोटी मृत लड़की भी, हाँ उन्हें सुनी होगी?

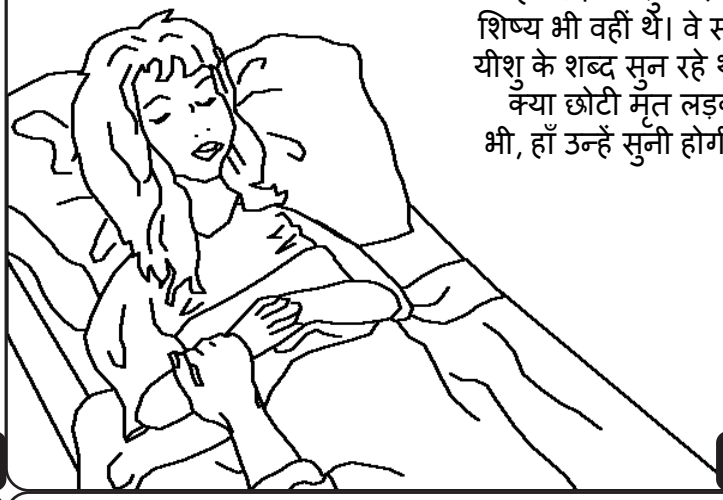

10

वह मृत लड़की 'यीशु के आज्ञा को सुनी! उसकी आत्मा लौट आयी, और वह तुरंत उठ गयी। यीशु मृतकों में से उसे जिलाया था।

11

लड़की के माता पिता चकित थे। यीशु ने उनसे कहा, लड़की को कुछ खाने को दो। वे कितने खुश हुए होंगे; वे यीशु के कितने आभारी थे। उसके अद्भुत प्रेम और शक्ति से उनकी बेटी वापस जीवित हो गयी।

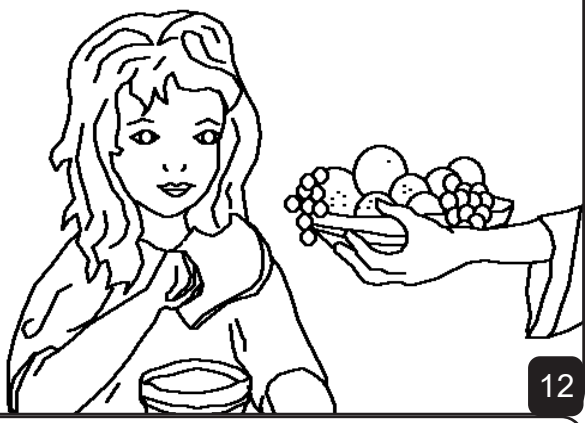

12

दोबारा जीवन पाने वाली लड़की

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

मारकूस 5, लूका 8

"जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।"
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुन: स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुन: जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.